

भारत-रूस: 'PASSEX' अभ्यास

प्रलम्बिस् के लयि:

भारत-रूस PASSEX अभ्यास, आईएनएस कोचर्चि, जायद तलवार, अल-मोहद अल-हदी, प्रोजेक्ट 15A

मेन्स के लयि:

भारत के लयि रूस का महत्त्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत का आईएनएस 'कोचर्चि' और रूस के जहाज़ 'अंतर्राष्ट्रीय पैसेज अभ्यास' (PASSEX) में शामिल हुए।

- पूर्व-नयोजति समुद्री अभ्यासों के वपिरित 'पैसेज सैन्य अभ्यास' अवसर के अनुसार कभी भी आयोजति कयि जा सकता है।
- इससे पूर्व भारतीय नौसेना के जहाज़ों ने [अमेरिकी नौसेना के साथ भी 'PASSEX'](#) का आयोजन कयि था।



प्रमुख बडि

- भारत के लयि रूस का महत्त्व:
 - हदि महासागर कषेत्र में:
 - [हदि महासागर रमि एसोसिएशन](#) (IORA) के एक संवाद भागीदार के रूप में रूस के शामिल होने से हदि महासागर कषेत्र (IOR) में संतुलन बनाने और वैज्ञानिक एवं अनुसंधान प्रयासों पर एक संभावति समुद्री सुरक्षा संरचना सहति भारत के साथ सहयोग के लयि कई सारे अवसर खुल गए हैं।
 - [आर्कटिक कषेत्र](#) में: आर्कटिक कषेत्र में भारत के वैज्ञानिक, पर्यावरण, वाणज्यिक एवं रणनीतिक हति हैं और रूसी [आर्कटिक](#) संभावति

रूप से भारत के ऊर्जा सुरक्षा उद्देश्यों को संबोधित कर सकता है।

- **हाइड्रोकार्बन:** रूस के पास दुनिया में सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस भंडार है, जो वर्तमान उत्पादन दरों के तहत लगभग 80 वर्षों तक के लिये पर्याप्त है।
- **सामरिक खनजि:** रूसी आर्कटिक में कोबाल्ट, तांबा, हीरा, सोना, लोहा, निकल, प्लैटिनम, उच्च मूल्य वाले दुर्लभ तत्त्व, टाइटेनियम, वैनेडियम और ज़रिक्ोनियम के विशाल भंडार भी हैं।
 - आर्कटिक में रूस के निकल तथा कोबाल्ट उत्पादन का 90%, तांबे का 60% और प्लैटिनम धातुओं का 96% से अधिक का उत्पादन होता है।
 - भारतीय दुर्लभ भू-भंडार हल्के अंशों में अधिक समृद्ध हैं और भारी मात्रा में कम हैं।
 - सामरिक उद्योगों में उपयोग किये जाने वाले अधिकांश दुर्लभ भू-उत्पाद जैसे- पवन टरबाइन तथा इलेक्ट्रिक वाहनों सहित विभिन्न स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिये रक्षा, फाइबर ऑप्टिक संचार, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा भी महत्वपूर्ण हैं।
 - इसलिये रूसी आर्कटिक में **दुर्लभ पृथ्वी और सामरिक खनजिों में भारत की महत्वपूर्ण कमियों को कम** करने की क्षमता है।
- **उत्तरी समुद्री मार्ग:** भारतीय बंदरगाहों को **उत्तरी समुद्री मार्ग या एनएसआर** से कोई लाभ नहीं होता है और यह रॉटरडैम के लिये वर्तमान मार्ग से अधिक लंबा है।
 - हालाँकि NSA में सहयोग के अन्य रास्ते भी हैं।
 - रूस ने अन्य बातों के साथ-साथ NSA के जल में साल भर, सुरक्षा, अबाधति और लागत प्रभावी नौहन सुनिश्चित करने की घोषणा की है।
 - भारत ने रूस के साथ साझेदारी करने की अपनी इच्छा का संकेत देते हुए कहा है कि "भारत और रूस भी अंतरराष्ट्रीय व्यापार व वाणिज्य हेतु NSA को खोलने में भागीदार होंगे"। इसके जवाब में राष्ट्रपतिपुत्रिने ने कहा है कि रूस NSA में भारत के हितों का स्वागत करता है।
- **सुदूर पूर्व में रूस:** रूस सुदूर पूर्व या RFE में प्राकृतिक संसाधनों में समृद्ध है।
 - देश के सभी कोयला भंडारों और हाइड्रो-इंजीनियरिंग संसाधनों का लगभग एक तिहाई भाग इस क्षेत्र में उपलब्ध है। इस क्षेत्र के वन रूस के कुल वन क्षेत्र का लगभग 30% हैं।
 - NSR सहित RFE के विकास में भारत के सहयोग का दोनों देशों ने समर्थन किया है।
 - वर्ष 2019 में **ईसटर्न इकोनॉमिक फोरम** (Eastern Economic Forum- EEF) को संबोधित करते हुए भारत ने RFE के विकास में और योगदान देने हेतु 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर की लाइन ऑफ़ क्रेडिट की घोषणा की थी।
- **भारत और रूस के अन्य अभ्यास:**
 - **अभ्यास TSENTR 2019** (बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास)।
 - **इंद्र अभ्यास - संयुक्त तर-सेवा (सेना, नौसेना, वायु सेना) अभ्यास।**
 - ZAPAD 2021 (बहुपक्षीय सैन्य अभ्यास)।

INS कोच्चि

- यह कोलकाता-श्रेणी के स्टीलथ गाइडेड-मिसाइल वधिवंसक का स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किया गया दूसरा जहाज़ है, जिसे भारतीय नौसेना के लिये प्रोजेक्ट 15A के कोड नाम के तहत बनाया गया था।
- इसका निर्माण मुंबई में मझगाँव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा किया गया था और बाद में व्यापक समुद्री परीक्षणों से गुज़रने के बाद वर्ष 2015 में इसे भारतीय नौसेना सेवाओं में शामिल किया गया था।
- इससे पहले इसने कई अन्य नौसैनिक सेवाओं में भाग लिया, जिनमें शामिल हैं:
 - **जायद तलवार:** यह भारतीय और संयुक्त अरब अमीरात नौसेना के बीच एक द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है।
 - **'अल-मोहद अल-हदी':** भारत और सऊदी अरब ने अपना पहला नौसेना संयुक्त अभ्यास शुरू किया।
 - **भारत-यूएस पासेक्स**

स्रोत- पी.आई.बी